हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 24 .0 डिग्री
न्यूनतम 12 .0 डिग्री

11 शिकायतों का समयबद्ध निपटारा करें अधिकारी

11 शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में परीक्षा परिणाम घोषित

खबर संक्षेप

मकान में चोरी करने का आरोपित गिरफ्तार

जींद। गांव खेड़ा खेमावती में बीती रात मकान का ताला तोड़ नगदी समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज करते आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। खेड़ा खेमावती निवासी कप्तान ने शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने ताला तोड़ कर 16 हजार की नगदी, गैस सिलेडर अन्य सामान चोरी कर लया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बैंक कर्मी घायल

कैथल। ढांड रोड पर विष्णु राइस मिल के पास अज्ञात वाहन चालक के टक्कर मारने से एक बैंक कर्मी घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने शुरुआती इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी। सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई शिकायत में गांव टीक निवासी 30 साल के अमित शर्मा ने बताया कि एक निजी स्मॉल बैंक में नौकरी करता है।

रेलवे कालोनी में ताला तोड़ नकदी-जेवर चोरी

जींद। रेलवे कालोनी में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर सोने व चांदी के जेवरात, नगदी समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे कालोनी निवासी शिवम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात डयूटी पर गया था।

सजूमा से हजारों के बिजली के तार चोरी

कैथल। गांव सजूमा में चोर खेतों से मोटर की केबल और लोहे की पाइप चोरी कर ले गए। यही नहीं चोरी के बाद साथ ही खेत में बने कमरे की दीवार पर चाक से अपशब्द लिखकर दोबारा चोरी की धमकी भी दी। मामले में कलायत थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गहने चोरी करने के दो आरेपी गिरफ्तार

जींद। सीआईए स्टाफ सफीदों पुलिस ने चोरी के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किय है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान रत्ताखेड़ा निवासी गौरव उर्फ गौरी और विशाल उर्फ काका के तौर पर हुई है। रत्ताखेड़ा निवासी सतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 जनवरी को वह और उसके परिवार के सदस्य घर से बहार गए हुए थे।

गांव नैना में मारपीट में एक व्यक्ति घायल

कैथल। जिले के गांव नैना में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव नैना के महावीर ने पुंडरी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 18 फरवरी को सायं करीब 7:30 बजे गांव के ही राजेश, समीर, हर्ष व बाबा ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर उसके घर में घुसकर उसके साथ मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया।

डूमरखां खुर्द से युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव डूमरखां खुर्द से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव डूमरखा खुर्द निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 17 फरवरी का उसकी 23 वर्षीय बहन घर गायब हो गई।

ट्रांसफार्मर से हजारों का सामान चुराया

कैथल। गुहला खंड के गांव लालपुर के खेतों में लगे बिजली ट्रांसफार्मर से चोरों ने हजारों रुपए का सामान चोर कर लिया। मामले में गुहला थाना की पुलिस ने गुहला बिजली निगम के एसडीओ की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सामान की कीमत 82 हजार 800 रुपए हैं।

कैथल जिले के 155 विद्यालयों में लगाई जाएंगी सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन

उच्चतम न्यायालय के आदेशों का दिखाई दे रहा असर, सभी स्कूलों में वितरित किए जाएंगे सेनेटरी नैपकिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने अच्छी पहल की है। विभाग द्वारा जिले के 155 स्कूलों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाई जाएंगी तथा सभी स्कूलों में सेनेटरी नैपकिन वितरित किए जाएंगे। इस संबंध में निदेशालय स्तर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे पहले जिले के 110 स्कूलों में यह मशीनें स्थापित की जा चुकी हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है बता दें कि इसे लेकर हाल ही में

उच्चतम न्यायालय ने सभी छात्राओं को शिक्षण संस्थानों में सैनेटरी नेपकिन बांटने तथा वेंडिंग मशीन स्थापित करने के आदेश दिए थे। यह अदालत के आदेशों का असर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि जिले में 900 प्राथमिक, मिडिल, हाई और सीनियर सेकेंडरी स्कूल हैं। विभाग के अनुसार इस पहल से छात्राओं की स्कूल उपस्थिति बढ़ेगी और उन्हें असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह पहल स्वच्छता

अभियान के तहत की जा रही है। विभाग की ओर से गठित कमेटी समय-समय पर स्कूलों में जाकर छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य व पोषण संबंधी जानकारी देती है। विभाग ने मशीनों के संचालन, रखरखाव और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) भी जारी की है। इसके तहत स्कूल प्रबंधन को मशीनों की निगरानी, स्टॉक रजिस्टर संधारण स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ स्कूलों में सेनेटरी नेपकिन भी छात्राओं को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

ये रहेगी नई एसओपी

महिला अध्यापिका को प्रभारी नियुक्त किया जाएगा।प्राप्त सामग्री की स्टॉक रजिस्टर में उसी दिन एंट्री अनिवार्य।वितरण की पूरी प्रक्रिया में छात्राओं की गोपनीयता व गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। स्कूल स्तर पर स्टॉक, वितरण व मासिक रिपोर्ट रजिस्टर संधारित होंगे।खंड शिक्षा अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण कर अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।किसी भी प्रकार की अनियमितता पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

निदेशालय के निर्देश जारी

जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष कुमार ने बताया कि शिक्षा विभाग के निदेशालय ने सेनेटरी नेपकिन वितरण और स्कूलों में वेंडिंग मशीनें लगाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए है। इसके तहत जिले के सभी स्कूलों में छात्राओं को सेनेटरी नेपकिन वितरित किए जाएंगे तथा 155 स्कूलों में नई सेनेटरी नेपकिन मशीनें वितरित की जाएंगी।

सीवन। बिजली घर में गेट मीटिंग करते कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

एचकेआरएन पोर्टल के खिलाफ जताया विरोध

सीवन में बिजली कर्मी की गेट मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

132 केवी सब स्टेशन सीवन स्थित बिजली कार्यालय परिसर में बुधवार को बिजली बोर्ड कर्मचारियों की एकमहत्वपूर्ण गेट मीटिंगआयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनिट प्रधान राज कुमार ने की, जबकि संचालन सचिव पवन ने किया। मीटिंग में कर्मचारियों ने सरकार द्वारा बनाए गए हरियाणा कौशल रोजगार निगम पोर्टल के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। यूनिट प्रधान राज कुमार ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने डीसी रेट कर्मचारियों के लिए एचकेआरएन पोर्टल शुरू किया है, लेकिन यूनियन का मानना है कि व्यवस्था कर्मचारियों के हितों के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पोर्टल के माध्यमसे लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है और उनकेअधिकारों का समुचित संरक्षण नहीं हो पाएगाउन्होंने कहा कि यूनियन किसी भी सूरत में डी.सी. रेट कर्मचारियों को जबरन एचकेआरएन पोर्टल के अधीन नहीं आने देगी। पहले से कार्यरत कर्मचारियों कोहटाकर नए लोगों की नियुक्ति किए जाने की कोशिश की जा रही हैं, जिसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि यदि सरकार और विभाग ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया और कर्मचारियों के हितों से खिलवाड़ जारी रहा, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। कर्मचारियोंने चेतावनी दी कि आवश्यकता पड़ने पर धरना प्रदर्शन और बड़े स्तर पर आंदोलन भी किया जा सकता है।

जागरूकता के लिए शहर में विशेष अभियान के तहत 10 टीमों का गठन

डिफाल्टरों पर कसा जाएगा शिकंजा पेयजल व सीवरेज का करोड़ों बकाया

अकेले शहर में 31970 पेयजल एवं सीवरेज कनेक्शन का 16,37,41997 रुपये बकाया

बिल नहीं भरने पर जुर्माने के साथ काटा जाएगा कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन द्वारा जींद जिले के शहरी क्षेत्र में पेयजल व सीवरेज के बकाया बिलों की अयादगी व जल संरक्षण के लिए विशेष अंभियान की शुरूआत की है। जिसमें डिफाल्टरों पर शिकंजा कसा जाएगा। जींद शहर में इसके लिए 10 टीमों का गठन करके अभियान की जोरदार शुरूआत की गई है। जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार रणधीर मताना ने गुरूवार को बताया की जींद जिला के शहर जींद, जुलाना, उचाना, नरवाना व सफीदों में पेयजल व सीवरेज के 54202 कनैक्शन स्वीकृत है। जींद शहर में कुल 31970 पेयजल व सीवरेज के कनैक्शन स्वीकृत किए

जींद, जुलाना, उचाना, नरवाना व सफीदों शहर में विभाग के 54202 पेयजल और सीवरेज कनेक्शनों का **41,90,37000** रुपये बकाया

जींद। अभियान को लेकर मंथन करते जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीम। *फोटो :हरिभूमि*

गए हैं। इसमें से 18928 केवल पेयजल के कनैक्शन स्वीकृत है। जबकि 22995 केवल सीवरेज के कनैक्शन स्वीकृत है। शहर में पानी व सीवरेज के 652 व्यवसायिक कनैक्शन भी स्वीकृत किए गए हैं। बताया कि जींद शहर में दिसंबर 2026 तक पेयजल व सीवरेज के बिल के रूप में 16,37,41,997 रुपये का बिल बकाया था। जबकि इस वर्ष 10 फरवरी 2026 तक 1,39,15,114 रूपये का रिवन्यू विभाग को प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया की पेयजल व सीवरेज की बकाया बिल की अयादगी के लिए सभी शहरो में टीमों का गठन किया गया हैं। यह टीम शहर में घर-घर जाकर उपभोक्ताओं को जल संरक्षण के साथ-साथ पेयजल व सीवरेज के बिल भरने के लिए भी जागरूक कर रही है। विभाग द्वारा ऐसे डिफाल्टरों की सूची भी तैयार की जा रही है। जो पिछले काफी समय से बिल नही भर रहे हैं। ऐसे उपभोक्ताओं पर शिकंजा कसने के लिए विभाग द्वारा पहले नोटिस दिया जाएगा। यदि उपभोक्ता द्वारा फिर भी बिल नही भरा जाता है तो उनके पेयजल व सीवरेज के कनेक्शन बंद किए जाएंगे और विभाग के नियमानुसार जुर्माना व अन्य विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए विभाग प्रयासरत

कार्यकारी अभियंता एवं नोडल अधिकारी भानु प्रकाश शर्मा ने बताया की विभाग द्वारा हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए विभाग द्वारा लीकेज को समयबद्ध तरीके से ठीक किया जा रहा है और हर घर में कलोरिनयुक्त पेयजल की सप्लाई की जा रही है। शहरी क्षेत्र में विभाग द्वारा शुरू किया गया अभियान कारगर साबित हो रहा है।

राजौंद : तेज हवाओं के कारण गेहूं की अगेती फसल बिछी, धरतीपुत्र चिंतित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

बीते दिन चली तेज हवाओं के कारण क्षेत्र में गेहूं की अगेती फसल जमीन पर बिछ गई, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। मौसम में अचानक आए इस बदलाव ने किसानों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। कुछ दिन पहले हुई बारिश से जहां सरसों की फसल को भारी नुकसान हुआ था, वहीं अब तेज हवाओं के चलते गेहूं की फसल गिरने से किसान परेशान हैं। खेतों में खड़ी फसल के जमीन पर बिछ जाने से उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका

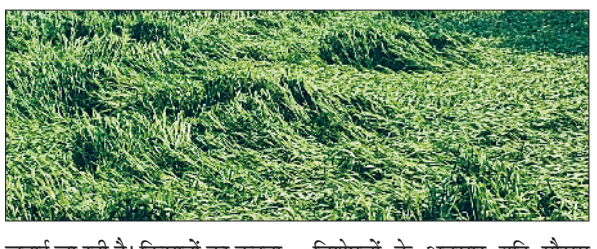

जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि जमीन पर बिछी फसल में बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में कीटनाशक या फफूंदनाशक का छिड़काव करना भी आसान नहीं होता, जिससे फसल को और अधिक नुकसान होने की संभावना बनी रहती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यदि मौसम साफ रहता है और तेज धूप निकलती है तो फसल को कुछ हद तक संभलने का अवसर मिल सकता है, लेकिन लगातार खराब मौसम किसानों की मुश्किलें और बढ़ा सकता है। किसानों ने प्रशासन से सर्वे करवाकर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

ढाठरथ के खेत में पानी देने गए किसान की मौत

जींद। पिल्लूखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव ढाठरथ में खेतों में पानी देने गए किसान की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल जींद में रखवाया है। मृतक की मौत कैसे हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। ढाठरथ निवासी सतपाल (58) गुरूवार सुबह खेत में फसलों को पानी देने गया था। कुछ देर बाद परिजनों ने उसके फोन पर संपर्क साधा तो कोई जवाब नही आया। जिस पर परिजनों ने अनहोनी की आशंका देखते हुए खेत में पहुंचे। जहां सतपाल बेसुध हालत में पड़ा हुआ था। परिजनों द्वारा उसे तुरंत उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लिव इन में रहने वाली महिला ने साथी के साथ मिलकर पूर्व दोस्त को ट्रक से कुचला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

खानपुर में लिव इन में रहने वाली महिला ने अपने साथी के साथ मिलकर शराब ठेके के करिंदे को ट्रक से टक्कर मारकर कुचलकर जान से मारने का प्रयास किया। टक्कर के बाद घायल युवक के हाथ-पैर और पसलियां टूट गई। उसे सिविल अस्पताल में ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे गंभीर हालत के चलते रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया है। पुलिस को शिकायत में जींद जिले के पेगा गांव के किरपाल ने बताया कि वह राजौंद के शराब के ठेके पर करिंदे के रूप में कार्य करता है। वह नीलम नाम की महिला के साथ राजौंद में ही लिव इन रिलेशनशिप में रहता है। कुछ समय पहले ही उसकी लिव इन पार्टनर नीलम की परविंद्र नाम के युवक से मोबाइल पर बातचीत हो रही थी। उसने नीलम को समझाने का प्रयास किया, लेकिन 3 दिन पहले नीलम उसे छोड़कर परविंद्र के पास चली गई। शनिवार रात को परविंद्र और नीलम की तलाश में ट्रांसपोर्ट नगर कैथल पहुंचा, जहां उसने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देखा। उसे देखते ही परविंद्र, नीलम और ट्रक में बैठा अजय वहां से ट्रक लेकर फरार हो गए।

मामले की जांच जारी

अजय और नीलम ने परविंद्र को उकसाया कि आज किरपाल का किस्सा ही खत्म कर दो, इसके ऊपर ट्रक चढ़ा दो। इसके बाद परविंद्र ने जान से मारने की नीयत से ट्रक का ड्राइवर साइड का अगला टायर दोनों टांगों, बाईं पसलियों और दोनों बाजुओं पर चढ़ा दिया। गंभीर रूप से घायल किरपाल को वहीं छोड़कर तीनों आरोपी ट्रक लेकर फरार हो गए। सीवन थाना के जांच अधिकारी जगबीर सिंह ने बताया कि पीडित की शिकायत मिलने के बाद 3 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ढाकल में प्रतिमा खंडित करने पर जताया रोष

जींद। ढाकल में बस स्टैंड के पास डा. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा बुधवार रात को असामाजिक तत्व ने खंडित कर दी। जिसका पता वीरवार को सुबह लोगों को लगा तो उन्होंने भीम आर्मी के पूर्व जिलाध्यक्ष अमित मुवाल को सूचना दी। अमित व अन्य समाज के लोगों ने मौका पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तो देखा कि प्रतिमा की नाक व चश्मा खंडित किया था। समाज के लोगों ने पुलिस प्रशासन को इस मामले से अवगत करवाया। जिसके बाद सदर थाना एसएचओ रामकुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया। इसके बाद एसडीएम ने बीडीपीओ को मौका निरीक्षण करने के लिए कहा। वहीं मौके पर सरपंच अनिल कुंडू भी पहुंच गए थे। प्रशासन व सरपंच द्वारा समाज के लोगों के साथ बैठक की।

यातायात पुलिस ने जनवरी माह से 18 फरवरी तक की कार्रवाई

जींद : यातायात पुलिस ने 3328 वाहन चालकों के चालान कर लगाया **80.98** लाख रुपये जुर्माना

जींद। कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक पुलिसकर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

यातायात नियमों की अवहेलना करने व गलत दिशा में चलने वाले वाहनों चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस लगातार अभियान चलाए हुए है। अभियान के तहत यातायात पुलिस ने जनवरी से अबतक कुल 3328 वाहनों के चालान किए हैं और उन पर 80.98 लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। यातायात पुलिस ने जनवरी माह में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। यातायात नियमों का पालन नहीं करने, शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने शिकंजा कसा और 3328 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। यातायात थाना प्रभारी शमशेर सिंह ने बताया कि जनवरी माह से अब तक कुल 3328 वाहनों के चालान किए हैं।

यातायात नियमों का पालन करें

एसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि यातायात पुलिस की अलग-अलग टीमों को जिलाभर में तैनात किया गया है। ये टीमें एल्कोहल सेंसर और ई चालान मशीनों से लैस हैं। जिससे मौके पर ही जांच कर नशे में वाहन चलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। यह पहल हाईवे सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कहा कि यातायात नियमों का पालन न करने तथा नशा कर वाहन चलाने से न केवल आपके जीवन को खतरे में डालती है बल्कि सड़क पर चल रहे हर व्यक्ति की सुरक्षा को भी जोखिम में डालती है।

ट्रक लूटने के चार दोषियों को कारावास और जुर्माना

कैथल। जिला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एडीजे) डॉ. नंदिता कौशिक की अदालत ने वर्ष 2018 में चावल से भरा ट्रक लूटने के मामले की सुनवाई करते चार दोषियों को दोषी करार देते उन्हें कठोर सजा सुनाई है। इनमें गुरुग्राम के सतबीर को 3 साल कैद 25 हजार जुर्माना, चीका के अजय को 4 साल कैद व 25 हजार जुर्माना, खेड़ी गुजरान (पंजाब) निवासी संजीव को 3 साल कैद व 50 हजार रुपए जुर्माना तथा अर्जुन नगर कैथल निवासी धर्मबीर को 7 वर्ष के कारावास व 75 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा न करने पर दोषियों को 1-1 वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। डीएसपी बीर भान ने बताया की सुलेहड़ा जिला जींद निवासी चालक कुलदीप गांव कालवन निवासी प्रेम के 10 टायरी ट्रक पर चालक के रूप में कार्यरत था।

कहानी

प्रकाश मनु

गुड़िया दोस्तों के साथ चली चांद के देश

बच्चो, अगर चांद तुम्हारी छत पर उतर आए और बगल में बैठकर आसमान की दुनिया के बारे में बताए, इस बीच तुम्हारे दोस्त भी आ जाएं, सबका मन आसमान की सैर करने को हो जाए, सब चांद की किरणों के खटोले पर बैठकर चल दें तो कितना मजा आएगा! ऐसा ही कुछ गुड़िया के साथ हुआ। पढ़ो, बहुत ही मजेदार कहानी।

उस दिन चांदनी रात थी। गुड़िया अपने घर की छत पर बैठी थी। जोर-जोर से चंदा मामा का गीत गा रही थी, जो उसने आज ही अपनी सहेली चांदनी से सीखा था। वह बार-बार झूम- झूमकर गा उठती-

चंदा मामा दूर के,
खोए पकाए भूर के,
आप खाएं थाली में
गुड़िया को दें प्याली में
कितने मीठे, कितने प्यारे
लड्डू मोतीचूर के!

गुड़िया मजे में यह गीत गा रही थी। गाते-गाते उसने चांद की ओर देखा। चांद खिलखिलाकर हंस रहा था। तभी उसने खुद भी एक प्यारा सा गीत बना लिया और मीठे सुर में गाने लगी-

जल्दी आओ चंदा मामा,
पहन के आओ नया पाजामा!
उजला-उजला नया पाजामा,
पहन के दिखलाओ जी ड्रामा,
जिसमें लंबे से हों लामा,
जिनसे डर के भागे गामा।
भागे गामा, हो हंगामा,
दिखलाओ जी ऐसा ड्रामा...!

अभी वह इस कविता को आगे बढ़ाने के लिए अगली पंक्ति सोच ही रही थी, तभी एक जादू-मंतर सा हुआ। चारों ओर चांदी जैसा खूब घना प्रकाश फैल गया। एकाएक गुड़िया को सुनाई दिया, 'हां, गुड़िया बोलो, मुझे क्यों बुलाया है?'

गुड़िया हैरान। उसकी आंखें चकाचौंध हो रही थीं। उसने अचकचाकर सामने की ओर देखा, 'अरे लो! चंदा मामा तो सामने खड़े हैं! और सचमुच उन्होंने जगमग-जगमग करता सफेद पाजामा पहन रखा है। शुभ्र चांदनी का पाजामा!'

फिर भी गुड़िया ने अपने मन की तसल्ली के लिए पूछा, 'आप...आप चंदा मामा हैं न?'

'हां भई, कोई शक है क्या?' चंदा मामा खुलकर हंसे। फिर बोले, 'तुम लड्डू मोतीचूर के वाला गाना गा रही थीं। खाने हैं तो चलो मेरे साथ।...वहां चाहे जितने मोतीचूर के लड्डू खाना।'

गुड़िया आंखें पटपटाकर बोली, 'ओफ्फोह! चलना तो चाहती हूं, पर अभी मेरी सहेलियां और दोस्त आने वाले हैं। आज हमने कविता-कहानी सुनाने का कार्यक्रम रखा है न! इसी के लिए तो मैं गीत गाकर तैयारी कर रही थी।...और लो जी, यहां तो एक नया ही चक्कर चल पड़ा। मेरे दोस्तों को पता चलेगा तो हक्के-बक्के रह जाएंगे। बल्कि चंदा मामा, उन्हें तो यकीन ही नहीं आएगा कि आप यहां आ गए, मुझसे मिलने।'

'तो चलो, ठीक है। हम भी इंतजार कर लेते हैं तुम्हारे दोस्तों का..।' चंदा मामा ने कहा और गुड़िया के पास वहीं बैठ गए। गुड़िया को प्यारी सी कहानी सुनाने लगे- आसमान की कहानी, चांद-तारों और सूरज की कहानी।

थोड़ी ही देर में गुड़िया की सहेलियां और दोस्त भी आ गए। चंदा मामा को देखकर सब हैरान! गुड़िया ने जब चंदा मामा के बारे में बताया, तो सब उनसे हंस-हंसकर बात करने लगे। आसमान के देश के बारे में बहुत सी बातें पूछने लगे।

चंदा मामा ने कहा, 'चलो, तुम्हें दिखला ही देता हूं अपना देश। और तुम्हें जो कविता-कहानियां सुनानी हैं, उन्हें रास्ते में सुनाते चलना।'

'वाह! वाह! तब तो खूब मजा आएगा।' गुड़िया ने कहा।

'लेकिन चंदा मामा, हम जाएंगे कैसे? आपका देश तो बहुत दूर है न!' नटखट मिंकी ने पूछा।

'हां, पर मुश्किल क्या है। हम तो किरणों के उड़न-खटोले पर जाएंगे न।' चंदा मामा बोले।

'किरणों का उड़न-खटोला!' गुड़िया और उसकी सहेलियों के मुंह अचरज से खुले रह गए, 'सच..!'

'हां!' चंदा मामा ने कहा और उनके इशारा करते ही चांदी की किरणों का चम-चम करता उड़न-खटोला आसमान से जमीन पर आ गया।

सब बच्चे धम-धम-धम करते उसमें बैठे और उड़न-खटोला चल पड़ा। रास्ते में बच्चों ने एक से एक बढ़िया कविताएं-कहानियां सुनानी शुरू कर दीं। कुछ बच्चों ने मजेदार चुटकुले भी सुनाए। हंसते-हंसते चंदा मामा लोट-पोट हो गए।

फिर उड़न-खटोला पहुंचा चांद के देश में। वहां का तो खैर कहना ही क्या था। जिस चीज को देखो, वही चांदी की तरह चम-चम, चम-चम करती हुई। चांदी के कुर्सी-मेज। चांदी का पलंग। चांदी का फर्श। चांदी के फूल, गमले और पर्दे भी।

चंदा मामा ने बच्चों को तारों से मिलवाया, आसमान के राजा सूरज से भी उनकी मुलाकात करवाई, जो बच्चों के सामने सारी तपन छोड़कर ठंडे-शीतल थे। बच्चों ने आसमान में खूब सैर-सपाटा किया। फिर चांद का उड़न-खटोला धरती की ओर चल पड़ा।

बच्चों ने घर आकर अपने-अपने मम्मी-पापा को इस बारे में बताया, तो सब हैरान रह गए। गुड़िया ने हिंदी की मैडम को बताया तो उन्होंने कहा, 'गुड़िया, इस पर एक कहानी लिखो, 'गुड़िया चली चांद के देश।' उसे मैं स्कूल की पत्रिका में छापूंगी। साथ ही किसी बढ़िया आर्टिस्ट से उसका चित्र भी बनवाएंगे।'

गुड़िया ने यह कहानी लिखी तो बच्चों ने खुशी से झूम-झूमकर पढ़ी। अब सब बच्चे यही कहते हैं, गुड़िया अबकी चंदा मामा आएं तो हमसे भी मिलवाना। खुद गुड़िया को इंतजार है- देखें, अब कब आते हैं उसके चंदा मामा? आखिर उन्हें भी तो जरूर नन्ही-मुन्नी सी प्यारी गुड़िया की याद आती होगी ना! *

नन्ही कहानी

हार की चोरी

राजा का पुश्तैनी हार चोरी हो गया। राजा ने अपने मंत्री से सलाह की। मंत्री ने कुछ ऐसी तरकीब निकाली कि बड़ी ही आसानी से हार-चोर पकड़ा गया। मंत्री की क्या थी तरकीब?

एक राजा के महल से उसका पुश्तैनी हार चोरी हो गया। हार जिस जगह से चोरी हुआ था, वहां तक किसी बाहरी आदमी का पहुंच पाना असंभव था। इससे स्पष्ट था कि हार महल के अंदर रहने वालों में से ही किसी ने चुराया है। हार-चोर का पता लगाने के लिए राजा ने अपने मंत्री से सलाह की।

अगले दिन मंत्री एक पुतला लेकर आया। उसने आते ही घोषणा की, 'यह एक मंत्र सिद्ध पुतला है। महल के हर व्यक्ति को इस पुतले के मुंह में अंगुली डालनी है। जिसने हार चुराया है, पुतला उसकी अंगुली पकड़ लेगा।'

मंत्री ने वह पुतला महल के एक कक्ष में रखवा दिया, स्वयं दरवाजे के पास प्रसाद के लड्डू लेकर खड़ा हो गया। सब लोग कक्ष में जाते, पुतले के मुंह में अंगुली डालकर वापस आ जाते। मंत्री सबको हाथ में प्रसाद देकर विदा कर रहा था। इसी क्रम में जब एक दासी कमरे से निकली और जैसे ही उसने प्रसाद लेने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, मंत्री ने उसका हाथ पकड़ लिया और राजा से कहा, 'इसी ने हार चुराया है।'

दासी ने पहले तो ना-नुकुर किया, लेकिन जब राजा ने सख्ती दिखाई तो उसने मान लिया कि हार की चोरी उसी ने की है।

राजा ने मंत्री से पूछा, 'मंत्री जी, आपने कैसे पता लगाया कि हार की चोरी इसी दासी ने की है?'

मंत्री ने बताया, 'महाराज, मैंने पुतले के मुंह में रंग लगा दिया था, जो भी उसके मुंह में अंगुली डाल रहा था, उसकी अंगुली में रंग लग रहा था। लेकिन दासी की अंगुली में कोई रंग नहीं लगा था, क्योंकि उसने पुतले के मुंह में अंगुली डाली ही नहीं। उसे डर था, पुतला उसकी अंगुली पकड़ लेगा, क्योंकि हार की चोरी उसी ने की थी।'

सार: चोर का मन बहुत कमजोर होता है। * **प्रस्तुतिः एफएमएन**

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

चिड़िया सच बतलाना

चिड़िया, चिड़िया, सच बतलाना,
नीड़ बनाना कैसे जाना?
चुग-चुग दाने चुनकर लाती,
क्या ना थकती, सच बतलाना?
क्या तू भी कुछ नियम तोड़ती,
क्या भरती कोई जुर्माना?
पंख सुनहरे इतने प्यारे,
कहां से पाया, यह बतलाना?
क्या जाती तू नित विद्यालय,
कौन सिखाता तुझको गाना?
जब ऊंचे नभ में उड़ती है,
कैसा लगता, सच बतलाना?

कविता / शिवचरण चौहान

फागुन के फुर्तीले दिन

फागुन के फुर्तीले दिन,
प्यारे रंग-रंगीले दिन।
सरसों के खेतों में फूले,
खुशबू भीने पीले दिन।
धूप शरद-सी चटा रहे,
सबको खूब सजीले दिन।
कोपल-कोपल में लटके,
मोती से चमकीले दिन।
नाच रहे सब मस्ती में,
छम-छम छैल-छबीले दिन।

हंसगुल्ले

चिंटू: मुझे आंख बंद करने के बाद भी दिखाई देता है।
मिंटू: अच्छा, क्या दिखाई देता है?
चिंटू: अंधेरा।
-साकेत, बिलासपुर

नन्ही रिया (अपनी दीदी से): दीदी, मुझे लिखना आ गया है।
दीदी: अच्छा! कुछ लिखकर दिखाओ तो।
रिया ने नोटबुक पर कुछ टेढ़ी-मेढ़ी लाइंस खींच दी।
दीदी: अरे! ये क्या लिखा है तुमने?
रिया: दीदी, अभी मैंने सिर्फ लिखना सीखा है, पढ़ना नहीं सीखा।
-प्रज्ञा, रायपुर

सोनू: तुम हमेशा अपनी जेब में नीबू लेकर क्यों चलते हो?
मोनू: ताकि अगर रास्ते में कोई दुश्मन मिल गया तो उसके दांत खट्टे कर सकूं।
-श्रेया, दुर्ग

जीके क्विज-193

1. हाल में ही पड़ोसी देश बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का क्या नाम है?
2. विक्टोरिया मेमोरियल किस राज्य में स्थित है?
3. चार सौ ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी कौन बने हैं?
4. भारत में किसी राज्य की पहली महिला राज्यपाल कौन बनी थी?
5. भारत में पहली रेलगाड़ी किस वर्ष चली थी?
6. हाल में भारत की यात्रा पर आए इमैनुअल मैक्रॉ किस देश के राष्ट्रपति हैं?
7. 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' के नाम से किसे जाना जाता है?
8. सल्फ्यूरिक अम्ल का रासायनिक सूत्र क्या होता है?
9. कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) दूध को दही में बदल देता है?
10. किस पुरस्कार को 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-193 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-192 का उत्तर: 1.इंग्लैंड, 2.जे.के. रोलिंग, 3.अश्विनी वैष्णव, 4.स्वामी विवेकानंद, 5.स्टेपीज, 6.आइजैक न्यूटन, 7.सैम मानेकशॉ, 8.मंगल, 9.सोडियम क्लोराइड, 10.हेनरी कैवेंडिस

जीके क्विज-192 का सही उत्तर देने वाले: अमित-सक्ती, श्रेया-दामोह, कबीर-हिसार, अनहद-बिलासपुर, अजय-फतेहाबाद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, शुभम-झज्जर, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-बैकुंठपुर, सुयश-रायपुर, अर्णव-बिलासपुर, कुसुम-भिलाई, तमन्ना-कोरबा, मनीष-रोहतक, विकास-महासमुंद

नयन दिल्ली के एक होटल में रुकने आया तो उसे अपने रूम में लॉक की जगह एक कार्ड मिला, जिसको लगाने से रूम का डोर लॉक होता, ओपन होता। नयन ने पापा से जब इसके बारे में पूछा तो उन्होंने इसकी पूरी तकनीक उसे समझायी। बच्चो, तुम भी जानो।

नयन की होटल यात्रा

नॉलेज स्टोरी

आलोक कुमार दुबे

नयन अपनी फैमिली के साथ एक शादी में शरीक होने के लिए दिल्ली आया। स्टे के लिए वह एक होटल में गया। साथ में उसके चाचा की भी फैमिली थी। रिसेप्शन पर रजिस्टर में डिटेल भरने के बाद सभी को कमरों का नंबर बताकर उन्हें वहां पहुंचाने को कहा गया। होटल का जो कर्मचारी कमरे तक सामान लेकर आया था, उसने एक प्लास्टिक के कार्ड को कमरे के डोर पर टच किया और फिर हाथ से हैंडल को घुमाकर दरवाजा खोल दिया, फिर उस कार्ड को अंदर दरवाजे के पास एक कार्ड पॉकेट में डाल दिया। तुरंत ही कमरे की बत्तियां जल गईं। उसने बताया कि जब आप बाहर जाएं तो कार्ड निकाल कर साथ में जरूर ले जाएं, नहीं तो डोर अंदर से बंद हो जाएगा, आपको परेशानी होगी। नयन यह सब बहुत ध्यान से देख-सुन रहा था।

मम्मी-पापा जब कमरे में सामान रख रहे थे, नयन ने कमरे का दरवाजा खोला और यह जांचा कि दरवाजा अंदर से खुल रहा है या नहीं? वह बाहर निकल आया और दरवाजा बंद होने पर उसे बाहर से हैंडल घुमाकर खोलने लगा, लेकिन वह नहीं खुल रहा था। दरवाजे के बाहर लगी घंटी के स्विच तक उसका हाथ नहीं पहुंच रहा था। तब-तक बगल के कमरे से निकले चाचा की नजर उस पर पड़ी, उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम बाहर क्या कर रहे हो?' चाचा ने घंटी बजाकर दरवाजा खुलवाया और उसे समझाया, 'अपने कमरे का नंबर याद कर लो और बिना बताए बाहर न निकलना। होटल के बाहर तो बिल्कुल भी नहीं। नहीं तो शादी में आने का सारा मजा किरकिरा हो जाएगा।'

कुछ देर बाद सभी लोग नहा-धो कर जब तैयार हो गए तो एक बड़े से कमरे में सभी लोगों को नाश्ते के लिए जाना था। पापा ने कमरे से बाहर निकलने के पहले कार्ड निकाल कर जेब में डाल लिया और दरवाजा बंद कर दिया। वापस आने पर

कार्ड को दरवाजे के हैंडल के पास टच किया और हैंडल घुमा कर दरवाजा खोल लिया। जब नयन से रहा नहीं गया तो उसने पूछा, 'पापा, अपने घर पर तो हम लोग चाबी से दरवाजा खोलते और बंद करते हैं, इस होटल में चाबी की जगह इस कार्ड से दरवाजा खुलता है। यह कैसे होता है, मेरी समझ में नहीं आ रहा है?'

'अरे भाई, इस होटल के दरवाजे पर आर.एफ.आई.डी. तकनीक का ताला लगा हुआ है। जब इस कार्ड को हम पास में लाते हैं तो ताले का रीडर उसे रीड कर लेता है या पहचान लेता है और हैंडल घूमने लगता है, दरवाजा खुल जाता है।' पापा ने नयन को बताया।

'तो क्या अपने कमरे के कार्ड से चाचू के कमरे को खोला जाए तो वह नहीं खुलेगा? ' नयन ने दूसरा प्रश्न किया।

'नहीं, हर कार्ड पर कमरे की संख्या अंकित है। उस कमरे के ताले की रेडियो तरंग (फ्रीक्वेंसी) कार्ड से मिलान होना जरूरी है।' पापा ने जानकारी दी। 'अच्छा अगर अपना कार्ड कहीं खो जाए या हम लोग इसे लेकर घर चले जाएं तो होटल वाले क्या करेंगे?' नयन ने अगला सवाल किया।

'हां भाई, होटल वालों को अकसर ऐसे ग्राहको से पाला पड़ता रहता है। दूसरी चाबी बनाने का खर्च और मेहनत ज्यादा पड़ती है, जबकि एक कार्ड की कीमत बहुत कम होती है। तुमको बता दूं कि यह कार्ड सिर्फ उस समय तक काम करेगा, जब तक का पैसा होटल वालों के पास जमा है, उसके बाद इस कार्ड से भी दरवाजा नहीं खुलेगा और रिसेप्शन काउंटर पर जाकर इसे फिर रिचार्ज कराना पड़ेगा।' 'लेकिन पापा जब हम लोग नाश्ता करने जा रहे थे तो होटल के वर्कर के पास एक ही कार्ड था। वह उस कार्ड से कई कमरे खोल कर उनमें पानी की बोतल आदि सामान रख रहा था, वह कैसे?' नयन ने पूछा। 'यही तो इस तरह के ताले की विशेषता है। होटल के कर्मचारी को साफ-सफाई या अन्य कार्य के लिए हर कमरे की अलग-अलग चाबी नहीं रखनी पड़ती। बस एक मास्टर कार्ड से ही सब कमरे खुल सकते हैं।' पापा ने बताया।

'पापा, मुझे इसीलिए तो आप के साथ घूमने में मजा आता है, क्योंकि नई-नई बातें जानने को मिलती हैं।' यह कहकर नयन ने हंसते हुए ताली बजाई और कमरे से बाहर निकल गया। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

देश के गर्व भारत रत्न

बच्चो, तुम यह तो जानते ही होगे कि अपने देश भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान का नाम भारत रत्न है। आजादी के बाद वर्ष 1954 से अब तक 53 विभूतियों को यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। भारत रत्न देने की शुरुआत कैसे हुई? इसमें क्या प्रदान किया जाता है? और इसे प्राप्त करने वाली विभूतियों के बारे में विस्तार से पुस्तक 'देश के अनमोल रत्नः भारत रत्न' में बताया गया है। इसे प्रसिद्ध बाल साहित्यकार समीर गांगुली ने लिखा है। यहां तुम देश के पहले उपराष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भौतिक वैज्ञानिक डॉक्टर सी.वी. रमन, पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, गायिका लता मंगेशकर, शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खां जैसी अनेक हस्तियों समेत विदेशी मूल की भी दो महान विभूतियों मदर टेरेसा और नेल्सन मंडेला के बारे में भी जान सकते हो। इस किताब को पढ़कर तुम जान सकोगे कि जिन हस्तियों को यह सम्मान प्रदान किया गया उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में कितना अद्वितीय योगदान देकर भारत देश का नाम पूरे विश्व में विख्यात किया। निश्चित ही इस किताब को पढ़कर तुम भी इनकी तरह अपने देश और समाज के लिए बड़े काम करने के लिए प्रेरित होगे। *

किताब: देश के अनमोल रत्न : भारत रत्न,
लेखक: समीर गांगुली, **मूल्य:** 300 रुपए,
प्रकाशक: अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रंग भरो-196

रंग भरो-196 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आशना, जांजगीर

दिशांत, महेंद्रगढ़

मीनाक्षी, सक्ती

रेयांश, बिलासपुर

सौम्य, कोरबा

वैशिनका, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

माही-महासमुंद, प्रियंका-रायपुर, संचिता-भोपाल, कोमल-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-बिलासपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, परी-हिसार, कविता-बालोद, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, प्रिया-करनाल, रचना-कोरबा

रंग भरो 197

बच्चो, यहां अपना होम वर्क पूरा करते हुए चिंकी और मिंकी का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

एसडी स्कूल में वार्षिक सांस्कृतिक समारोह

जींद। एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल घिमाना में वार्षिक सांस्कृतिक व पारितोषिक समारोह का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक प्रोग्राम में विद्यालय की सभी कक्षाओं के बच्चों ने इसमें बढ़चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से शुरू हुई। जिसमें स्कूल प्रबंधक सत्यवान नेहरा व प्राचार्य ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती को नमन किया।

ट्रैक्टर पर अनुदान के लिए ड्रा आज

जींद। सहायक कृषि अभियंता विजय कुमार ने बताया कि डीसी मोहम्मद इमरान रजा के मार्गदर्शन में अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टर पर अनुदान देने के लिए ड्रा 20 फरवरी को एसबी 0.89 स्कीम 2025-26 के तहत अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टर पर अनुदान उपलब्ध करवाने के लिए 15 जनवरी 2026 तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

सीआरएसयू में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के नेतृत्व में होटल और पर्यटन प्रबंधन विभाग द्वारा प्रशिक्षण शिविर प्रैक्टिकल का आयोजन किया गया। छात्रों ने रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता एवं प्रस्तुति कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किए। प्रैक्टिकल के दौरान छात्रों ने भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की विविध श्रृंखला प्रस्तुत की।

गेट मीटिंग का किया आयोजन

अलेवा। एचएसईबी वर्कर यूनियन हेड आफिस भिवानी द्वारा सब डिविजन नगूरां के प्रांगण में केंद्रीय परिषद् द्वारा घोषित कार्यक्रम के निर्देशानुसार गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सब यूनिट चेयरमैन मनोज ने की इस दौरान कर्मचारियों को संबोधित करते पूर्व राज्य उपप्रधान राजा शामदो ने कहा की सरकार डीसी रेट के साथियों को जबरदस्ती एचकेआरएन पोर्टल पर अपलोड कर रही है।

ब्रज रसामृत एवं भव्य होली महोत्सव 22 से

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज जींद की महिला इकाई द्वारा धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी जींद में पहली बार तीन दिवसीय ब्रज रसामृत एवं भव्य होली महोत्सव का भव्य आयोजन सेवा सदन गांधी नगर जीन्द में आयोजित किया जा रहा है। यह महोत्सव 22 से 24 फरवरी तक प्रतिदिन शाम तीन बजे से छह बजे तक आयोजित होगा।

ब्राह्मण धर्मशाला में मासिक हवन 22 को

उचाना। 22 फरवरी को ब्राह्मण धर्मशाला उचाना में आयोजित होने वाले मासिक हवन एवं सतसंग के मुख्य यजमान के रूप में मार्केट कमेटी पूर्व चेयरमैन रामनिवास बुडायन उनकी धर्मपत्नी चंद्रकला हवन में मुख्य यजमान के रूप में पूर्णाहुति देंगे। कार्यक्रम संयोजक मा. रामप्रसाद ने बताया कि भारतीय संस्कृति के चार स्तंभ सत्य, तप, दया और दान माने जाते हैं।

विकास रैली में उमड़ी भीड़ ने रचा इतिहास

उचाना। युवा भाजपा नेता विशाल अत्री ने कहा कि बांगर में हुई उचाना विकास रैली में उमड़ी भीड़ ने नया इतिहास बनाने का काम किया है। रैली में उम्मीद से अधिक उमड़ी भीड़ ने विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की बढ़ रही आमजन में लोकप्रियता पर मोहर लगाने का काम किया है। विकसित उचाना का जो सपना विधायक ने देखा है उसे सीएम नायब सिंह सैनी ने सभी मांगों को मानकर विकसित उचाना के लिए द्वार खोल दिए है।

जींद: ज्योति स्वरूप है परमात्मा: अहिरका

जींद। असमर्थ महिला कल्याण न्यास के संस्थापक रामनिवास अहिरका ने नरवाना रोड पर समिति के कार्यालय में गायत्री यज्ञ के बाद कहा कि संसार में उर्जा ही जीवन है। एक स्वस्थ व्यक्ति का तापमान 98 डिग्री सैल्सियस रहता है। जबकि मृतक व्यक्ति का शरीर बिल्कुल ठंडा पड़ जाता है।

अधिकारियों ने अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों को दिए निर्देश

पर्ची पर दवा का नाम साफ व पढ़ने योग्य लिखना अनिवार्य

लिखावट समझ न आने पर दवा लेने में आ रही परेशानी

नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन 1600 से 1800 के बीच ओपीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों को निर्देश दिए गए हैं कि वो मरीजों की पर्ची पर दवा का नाम साफ और पढने योग्य (कैपिटल लेटर्स में) लिखना अनिवार्य करें। अधिकारियों के पास शिकायतें पहुंच रही थी कि चिकित्सकों द्वारा उनकी ओपीडी स्लिप पर जो दवाएं लिखी जाती हैं वो अस्पताल में न मिलने पर जब बाहर निजी कैमिस्ट शॉप पर लेने जाते हैं तो उन्हें वो लिखावट समझ नही आती है। ऐसे में स्वास्थ्य अधिकारियों ने शिकायतों पर कडा संज्ञान लेते हुए सभी चिकित्सकों को साफ व स्पष्ट (कैपिटल अक्षर) में दवा व उपचार लिखने के लिए कहा है। इसे लेकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आदेशों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने यह सख्त निर्देश जारी किए हैं कि मरीज की पर्ची पर दवा और प्रिसक्रप्शन साफ होना चाहिए ताकि खराब लिखावट की वजह से गलत दवा या उपचार से बचा जा सके। चिकित्सकों को बड़े अक्षरों में दवा का नाम लिखना होगा। जिसे मरीज या केमिस्ट आसानी से पढ़ सकें। इसका उद्देश्य है कि मरीजों के स्वास्थ्य का अधिकार (अनुच्छेद 21) को सुरक्षित किया जाए और गलत दवा के जोखिम को खत्म किया जाए। यह नियम न केवल सरकारी बल्कि निजी चिकित्सकों पर भी लागू किए गए हैं ताकि खराब हैंडराइटिंग से होने वाली मेडिकल गलतियों को रोका जा सके। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की बात की जाए तो यहां प्रतिदिन 1600 से 1800 के बीच ओपीडी होती है। जबकि लगभग 50 चिकित्सक प्रतिदिन ओपीडी को देखते हैं। कई बार जल्दबाजी में चिकित्सक दवा का शॉर्ट फोरम लिख देते हैं। जो न तो फार्मासिस्ट समझ पाते हैं और न किसी और को समझ आती है। ऐसे में मरीज को यह बोल दिया जाता है कि दवा उपलब्ध नही है। निजी कैमिस्ट दुकानों पर भी मरीज को यही सुनने को मिलता है। जिससे मरीज की परेशानी बढ़ जाती है।

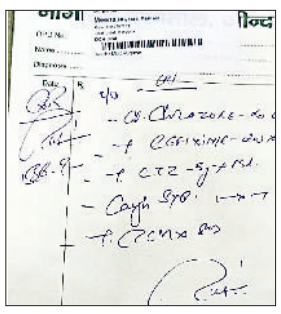

जींद। पर्ची पर साफ तौर पर लिखी गई दवा व उपचार। फोटो :हरिभूमि

आदेशों की सख्ती से पालना करवाई जाएगी

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि हाईकोर्ट और और डीजी हेल्थ के आदेश हैं। इसको लेकर सभी चिकित्सकों को हिदायत दी गई हैं। आदेशों की सख्ती से पालना करवाई जाएगी। बाकायदा आदेश जारी कर सभी चिकित्सकों को मरीजों की पर्ची पर दवा का नाम व उपचार साफ और पढने योग्य (कैपिटल लेटर्स में) लिखना अनिवार्य करने के लिए कहा है।

जानने और समझने का अधिकार

मरीजों को यह जानने और समझने का अधिकार है कि उन्हें कौन सी बीमारी है और किस दवा से उपचार किया जा रहा है। मरीजों को इस परेशानी को देखते हुए डीजी हैल्थ ने निर्देश जारी किए हैं कि चिकित्सक ओपीडी पर्ची पर साफ और बड़े अक्षरों में दवाइयां एवं जांच लिखेंगे।

राजौंद: रजिस्ट्री न होने से लोगों में रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद उप तहसील कार्यालय में पिछले 15 दिनों से रजिस्ट्री का कार्य प्रभावित होने से लोगों में भारी रोष व्याप्त है। जानकारी के अनुसार यहां नियुक्त नायब तहसीलदार पिछले करीब आठ दिनों से अवकाश पर हैं। राजौंद का अतिरिक्त प्रभार ढाड के नायब तहसीलदार अमित कुमार को सौंपा गया है, लेकिन उनके नियमित रूप से उपस्थित न होने के चलते रजिस्ट्री सहित कई महत्वपूर्ण राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उप तहसील में कार्य करवाने पहुंचे लोगों का कहना है कि पहले पटवारियों की हड़ताल और उसके बाद तहसीलदारों की हड़ताल के

कारण काम प्रभावित रहा। हड़ताल समाप्त होने के बाद जब लोगों को राहत की उम्मीद जगी, तो नायब तहसीलदार के अवकाश पर चले जाने से रजिस्ट्री का कार्य फिर से ठप हो गया। जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े मामलों में देरी के कारण लोगों को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आसपास के कई गांवों से रोजाना लोग रजिस्ट्री करवाने के लिए उप तहसील पहुंचते हैं, लेकिन काम न होने के कारण उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि बार-बार चक्कर लगाने से समय और धन दोनों की बर्बादी हो रही है। इस स्थिति को लेकर आमजन में नाराजगी है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि उप तहसील में नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नायब तहसीलदार को कार्यभार

वहीं, उप तहसील कार्यालय के रीडर व आरसी मनोज पाल ने बताया कि राजौंद का कार्यभार ढाड से नायब तहसीलदार अमित कुमार माथुर को सौंपा है। उनके अनुसार मंगलवार और बुधवार को राजौंद में रजिस्ट्री का कार्य किया गया है।

कैथल। हिंदू महासम्मेलन का न्योता देते पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

हिंदू महासम्मेलन का दिया निमंत्रण

कैथल। नगर के सेक्टर 19 में आने वाली 22 फरवरी रविवार को होने वाले हिंदू महा सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के पदाधिकारीयों ने जनसम्पर्क अभियान तेज कर दिया है। आज महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विवि के कुलसचिव प्रो डॉ संजय गोयल को भी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया। इसके अलावा शहर के जाने माने समाज सेवी राम प्रताप गुप्ता, बहादुर सैनी एवं डॉ आरपी मान ने भी विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी भागीदारी करने की सहमति दे दी है। इनके अलावा महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के कूलगुरू प्रोफेसर डॉ राजेंद्र कुमार अनायथ पहले ही भाग लेने की अपनी सहमति दे चुके हैं। महंत रमन पुरी महाराज एवं महंत रूद्ध पुरी महाराज इस कार्यक्रम में उपस्थितजनों को विशेष आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित रहेंगे।

समाधान शिविर से लोगों को मिल रही विशेष राहत

नरवाना। एसडीएम जगदीश चंद्र की अध्यक्षता में उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में पांच फरियादी अपनी शिकायत दर्ज करवाने आए। एसडीएम जगदीश चंद्र ने बताया कि प्राप्त शिकायतों में नगर परिषद से संबंधित दोए जन स्वास्थ्य विभाग से संबंधित तथा तहसील से संबंधित दो शिकायत प्राप्त हुई। एसडीएम जगदीश चंद्र ने बताया कि सभी शिकायतों के उचित त्वरित समाधान के लिए मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम के अनुसार समाधान शिविर से लोगों को विशेष राहत मिल रही है कि उन्हें समस्याओं के निवारण के लिए अलग-अलग दफ्तरों में चक्कर की बजाय सभी विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे और एक ही निश्चित समय अवधि में उपलब्ध हो रहे हैं।

आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

जींद। महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन द्वारा पीआईजी रा महिला कालेज के प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। 300 से अधिक छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल अवेयरनेस एवं डिजिटल लिटरेसी प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि भाजपा युवा नेता रुद्राक्ष मिड्ढा, प्राचार्य डा. जेएन गहलावत तथा संस्था अध्यक्ष राजकुमार भोला विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते उन्हें तकनीकी शिक्षा से जुड़ कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि रुद्राक्ष मिड्ढा ने कहा कि आज के दौर में बेटियों को एआई और डिजिटल शिक्षा से जोडना समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

जींद। मुख्यअतिथियों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

जींद। छात्राओं को स्टेज पर सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

रंगोली प्रतियोगिता में मोनिका प्रथम

जींद। राजकीय कालेज में युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव उमंग का मापन हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि उमंग जैसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ अनुशासन और टीम भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि डा. जयनारायण गहलावत प्राचार्य महिला महाविद्यालय रहे। महोत्सव के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग, स्किट, प्लेइंग इंस्ट्रूमेंट, डिक्लेमेशन, पेंटिंग सहित अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक डा. संदीप कुमार ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम मोनिका, द्वितीय मनीषा, तृतीय कैलाश, पोस्टर मेकिंग में प्रथम चेष्टा, द्वितीय सीमा, तृतीय अंकुश ने स्थान प्राप्त किया।

राजा उत्तानपात सांग का मंचन

जुलाना। कस्बे के वार्ड नंबर तीन में सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत प्रसिद्ध सांगी तकदीर और उनकी कलाकार टीम द्वारा राजा उत्तानपात सांग का मंचन किया। सांग की शुरुआत पारंपरिक वंदना के साथ हुई। कलाकारों ने हरियाणवी लोक शैली में राजा उत्तानपात की कथा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कथा में राजा के जीवन, उनके त्याग, संघर्ष और नैतिक मूल्यों को प्रभावशाली संवाद और भावपूर्ण अभिनय के माध्यम से दर्शाया गया। कलाकारों की सजीव प्रस्तुति और मधुर रागनियों ने दर्शकों को बांधे रखा। सांगी तकदीर ने मुख्य भूमिका निभाते अभिनय कौशल से दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। अन्य कलाकारों ने भी अपने-अपने पात्रों के साथ न्याय करते सांग को रोचक व संदेशपूर्ण बनाया। बीच-बीच में प्रस्तुत की गई रागनियों और हास्य प्रसंगों ने माहौल को उत्साहपूर्ण बनाए रखा।

जुलाना। सांग का मंचन करते सांगी कलाकार। फोटो :हरिभूमि

मार्केट कमेटी अलेवा कार्यालय में मीटिंग लेते मार्केट कमेटी चेयरमेन रामपाल खांडा व अन्य।

किसानों की समस्याओं को लेकर बैठक

अलेवा। मार्केट कमेटी अलेवा कार्यालय में मार्केट कमेटी चेयरमेन रामपाल खांडा व उप चेयरमेन शमशेर नगूरां की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मार्केट कमेटी के अधिकारी के अलावा कमेटी पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य फ सल सीजन के दौरान किसानों, आढ़तियों और मजदूरों को होने वाली संभावित परेशानियों को दूर करने के लिए सुझाव एकत्र करना था। चेयरमेन रामपाल ने बताया कि बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। फ सल सीजन को ध्यान में रखते हुए मंडी में पीने के पानी, लाइटों और सफ ाई व्यवस्था को लेकर कोई परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मंडी में आने वाले किसानों और मजदूरों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

विधायक आदित्य सुरजेवाला गांव जसवंती में वाल्मीकि चौपाल का उद्घाटन करते।

बाल्मीकि चौपाल का किया उद्घाटन

कैथल। विधायक आदित्य सुरजेवाला ने हल्के में विकास कार्यों को गति प्रदान की है। विधानसभा क्षेत्र के गावं जसवंती में नवनिर्मित बाल्मीकि चौपाल और तालाब के ट्रैक का भव्य उद्घाटन किया। यह चौपाल बाल्मीकि समाज के लोगों के लिए सामुदायिक केंद्र के रूप में काम करेगा, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और दैनिक गतिविधियाँ आयोजित की जा सकेंगी। तालाब के ट्रैक का निर्माण स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण और सुंदरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ में ग्रामवासियों के लिए सैर सपाटे और भ्रमण के लिए भी जगह सुनिश्चित हुई है। आदित्य सुरजेवाला ने आगे कहा कि वे लगातार क्षेत्र के वार्डों और गाँवों में ओपन जिम, गलियों का निर्माण, चौपालों का सौंदर्यीकरण, लाइब्रेरी और अन्य आवश्यक परियोजनाओं को पूरा करवा रहे हैं।

शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में परीक्षा परिणाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

शिक्षा भारती मॉडल स्कूल उझाना में आज कक्षा नर्सरी से 11वीं तक सहित सभी कक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। परिणाम घोषित होते ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के चेहरों पर खुशी और गर्व साफ झलक रहा था। विद्यालय के इस वर्ष के परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहे। विभिन्न कक्षाओं में कई छात्रों ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। जिसे देखकर अभिभावकों और शिक्षकों ने संतोष व्यक्त किया। मेधावी छात्रों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य अनिल चहल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता केवल अंकों से नही बल्कि निरंतर प्रयासए अनुशासन और आत्मविश्वास से मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी मेहनत जारी रखने और जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के डायरेक्टर वीरेंद्र बिढान ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे छात्रों ने जिस लगन और परिश्रम से यह परिणाम हासिल किया हैए वह विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय के सचिव सुनील कुमार ने कहा कि परिणाम घोषणा समारोह न केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव था।

जींद। छात्रों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल स्कूल के विद्यार्थी छाएं

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने इंग्लिश ओलंपियाड (सिल्वर जोन) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते सर्वाधिक पदक प्राप्त किए तथा राज्य स्तर पर स्वर्ण रैंक हासिल की। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने द्वितीय स्तर के लिए भी योग्यता प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतिष्ठित प्रतियोगिता विद्यार्थियों की भाषा दक्षता, व्याकरण ज्ञान, शब्दावली तथा बोध क्षमता का आकलन करने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। इस वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने अनुशासित परिश्रम, समर्पण तथा शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन के बल पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। उपलब्धि के उपलक्ष्य में विजेता विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर में मंच पर आमंत्रित कर पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

लघु सचिवालय के सभागार में एडीसी ने सुनीं जनसमस्याएं

शिकायतों का समयबद्ध निपटारा करें अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

समाधान शिविरों में प्राप्त जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित और संतोषजनक निपटारा किया जाए। यह निर्देश एडीसी प्रदीप कुमार ने स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर के दौरान अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार आयोजित समाधान शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध करवाना है ताकि लोगों को समस्याओं के समाधान के लिए बार.बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि हर शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समय पर उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए। एडीसी ने कहा कि शिविरों में प्राप्त शिकायतों की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है। हर शुक्रवार को लंबित मामलों की समीक्षा की जाती है। इसलिए संबंधित विभाग सुनिश्चित करें कि समीक्षा बैठक से पहले अधिकतर शिकायतों का निपटारा कर लिया जाए। कहा कि जो शिकायतें रीओपन हो रही हैं उन पर ध्यान दिया जाए। शिकायतकर्ता की संतुष्टि और एमिनेंट पर्सन के हस्ताक्षर के बाद ही एटीआर अपलोड की जाए। यदि फिर भी शिकायत दोबारा खुलती है तो उसके कारणों की जांच की जाए और बार-बार रीओपन होने वाली शिकायतों की अलग सूची बनाने के भी निर्देश दिए गए।

जींद। समाधान शिविर में समस्याएं सुनते एडीसी। फोटो :हरिभूमि

शिविर में ये पहुंची शिकायतें

शिविर के दौरान जिला के विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो से नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। गांव छातर निवासी मुनेश ने बीपीएल कार्ड और पेंशन संबंधी फरियाद की। गांव लखमीर से प्रीति ने अपने बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने संबंधी प्रार्थना की। वहीं गांव बेलरखां के कृष्ण ने पेयजल सप्लाई दुरुस्त करवाने की मांग रखी। जबकि रामराय निवासी मुकेश ने प्लाट की निशानदेही संबंधी अर्जी की। एडीसी ने सभी मामलों में संबंधित अधिकारियों को तुरंत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बताया कि प्रत्येक सोमवार वीरवार को 10 से 12 बजे तक जिला और उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं। एसडीएम सत्यवान, डीएमसी सुरेंद्र सिंह, नगराधीश मोनिका रानी, डीआरओ राजकुमार, जीएम रोडवेज राहुल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार जींद।

मैं विनोद कुमार पुत्र स्व० वास देव निवासी 574/09 वेद नगर मंजू होटल के सामने जिला जींद। बनाम

जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि (प्रार्थी) विनोद कुमार पुत्र स्व. वास देव निवासी 574/09 वेद नगर मंजू होटल के सामने जिला जींद ने कुल तीन दस्तावेज जिसमे प्रार्थी के पिता स्व० वास देव पुत्र श्री सुन्दर दास डेंग एक जायदाद मकान के मालिक व काबिज बरूवे वसीका नंबर 3599 दिनांक 10.11.2000 अनुसार थे व एक जायदाद प्लाट की मालिक व काबिज प्रार्थी की माता जी स्व. अविनाश रानी पत्नी स्व. वास देव बरूवे विक्रय पत्र वसीका नंबर 2020 दिनांक 25.01.1978 अनुसार थी व इसके अलावा स्व० अविनाश रानी एक जायदाद की मालिक व काबिज बरूवे विक्रय पत्र 1681 दिनांक 07.12.1977 तसदीकशुदा सबरजिस्टरार साहिब जींद अनुसार थी। इन जायदाद को विक्रय पत्र /ट्रांसफरडीड, स्वामित्व प्रमाण पत्र के पंजीकृत हेतु इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है कि प्रार्थी के पिता स्व० वास देव पुत्र श्री सुन्दर दास डेंग का स्वर्गवास दिनांक 21.09.2005 को हो चुका है व प्रार्थी की माता स्व० अविनाश रानी पत्नी स्व. वास देव का स्वर्गवास भी दिनांक 19.12. 2019 को हो चुका है। उक्त मृतक स्व. वास देव व मृतक अविनाश रानी के स्वर्गवास उपरांत उनके निम्न 05 लीगल वारिसों के नामों का विवरण इस प्रकार है- 1-अनिता रानी 2-सुनीता डाबर 3 मन्जू हसीजा 4 अंजू बतरा पुत्रीयान 5-विनोद कुमार पुत्र स्व० वास देव पुत्र श्री सुन्दर दास डेंग है।

इनके अलावा उपरोक्त मृतकों का अन्य कोई वारिस/उत्तराधिकारी नहीं है। जिसके संबंध में प्रार्थी ने शपथपत्र भी प्रस्तुत किया है। इसलिए हर आम व खास को इस इश्तहार / नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस/उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एवं एतराज हो तो वह स्वंय/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरांत 30 दिन के अंदर-अंदर इस कार्यालय में कार्य दिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जाएगा।

वह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 18.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

हस्ता/- तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार, जींद

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार जींद।

मै नरसी यादव पुत्र श्री बनी सिंह पुत्र सुखीराम निवासी बसंत विहार कालोनी तहसील व जिला जींद बनाम

जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि (प्रार्थी) नरसी यादव पुत्र श्री बनी सिंह पुत्र सुखीराम निवासी बसंत विहार कालोनी तहसील व जिला जींद ने बताया है कि प्रार्थी के पिता बनी सिंह ने कुछ जायदाद को बतौर वसीका बयनामा नंबर 1598 दिनांक 15/07/2020 व वसीका बयनामा नंबर 6121 दिनांक 25/02/2021 व वसीका बयनामा नंबर 1237 दिनांक 10/06/2021 व वसीका बयनामा नंबर 180 दिनांक 12/04/2022 व वसीका नंबर 4848 दिनांक 15/12/2022 व वसीका बयनामा नंबर 2700 दिनांक 20/07/2016 अनुसार खरीद किया हुआ है। प्रार्थी ने अपने पिता बनी सिंह पुत्र सुखीराम के स्वर्गवास उपरांत उनसे विरासत में मिले हिस्से को विक्रय पत्र/ट्रांसफरडीड पंजीकृत हेतु इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमे स्पष्ट रूप से बताया गया है कि प्रार्थी के पिता बनी सिंह पुत्र स्वर्गीय सुखीराम का स्वर्गवास दिनांक 24/08/2024 को हो चुका है व बनी सिंह की माता सरती देवी पत्नी स्वर्गीय सुखीराम का स्वर्गवास भी काफी वर्षों पहले हो चुका है। वसिका नं. 1616 दिनांक 15/06/2005 वसिका नं. 1615 दिनांक 15.06.2005 बनी सिंह पुत्र स्वर्गीय सुखीराम के स्वर्गवास उपरांत उनके लीगल वारिसों के नाम इस प्रकार से हैं-

1-भरपाई देवी विधवा बनी सिंह, 2-नरसी यादव, 3-हरि ओम सिंह पुत्रान, 4-निर्मला देवी, 5-बाला देवी पुत्रवान स्वर्गीय बनी सिंह पुत्र स्वर्गीय सुखीराम है।

इनके अलावा उपरोक्त बनी सिंह पुत्र स्वर्गीय सुखीराम का अन्य कोई लीगल वारिस / उत्तराधिकारी नहीं है। जिसके संबंध में प्रार्थी ने शपथपत्र भी प्रस्तुत किया है। इसके लिए हर आम व खास को इस इश्तहार/नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस/उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एवं एतराज हो तो वह स्वंय/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरांत 30 दिन के अंदर-अंदर इस कार्यालय में कार्य दिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है।

वह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 18.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

हस्ता/- तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार, जींद

खबर संक्षेप

डीएड केंद्र में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

उचाना। श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एवं डीएड केंद्र उचाना कलां में दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्षता संस्था निदेशक विनोद कुमार वशिष्ठ ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की रूपरेखा, शैक्षणिक नियमों, शिक्षण प्रक्रिया तथा संस्थान के वातावरण से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. महावीर सिंह , धर्मवीर सिंह ने संबोधित किया।

सीएम से की पार्षद पंकज करसिंधु ने मुलाकात

उचाना। उचाना दौरे के दौरान गीता विद्या मंदिर उचाना मंडी में आढ़ती एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे सीएम नायब सिंह सैनी ने पार्षद पंकज करसिंधु ने मुलाकात की। पार्षद ने बताया कि विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने सीएम से मुलाकात करवाई। सीएम नायब सिंह सैनी विकास पुरूष है जिन्होंने विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में हुई रैली में हर मांग को मानने का काम किया। जो विधायक इस बार उचाना के मिला है ऐसा विधायक कभी नहीं मिला था।

छात्र निखिल ने बढ़ाया स्कूल का मान

कैथल। आरककेएसडी पब्लिक स्कूल के निखिल का जेई मेन मे 97.5 परसेंटाइल आर. के. एस. डी. पब्लिक स्कूल के कक्षा बारहवीं के मेधावी छात्र निखिल ने जेई मेन परीक्षा में 97.5 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया है। निखिल की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विद्यालय तथा परिवार में हर्ष का वातावरण है।

छात्र निखिल

24 फरवरी को बांटे जाएंगे सहायक उपकरण

कैथल। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रामजी लाल ने बताया कि भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा, कैथल द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की सहायतार्थ एक विशेष वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 24 फरवरी को करनाल रोड स्थित नए रेडक्रॉस भवन में आयोजित किया जाएगा। इस वितरण समारोह डीसी अपराजिता मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी, जिनके कर-कमलों द्वारा पात्र वरिष्ठ नागरिकों को आधुनिक सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।

शराब तस्करी मामले में बेलजंपर आरोपी काबू

कैथल। पीओ पकड़ो स्टाफ प्रभारी एसआई ओमप्रकाश की अगुवाई में एएसआई पवन कुमार द्वारा आरोपी कलायत निवासी राकेश को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी राकेश को कलायत पुलिस द्वारा 17 नवंबर 2021 को 360 लीटर लाहण सहित काबू किया गया था। उक्त मामले में आरोपी जमानत हासिल करने उपरांत न्यायालय में हाजिर में नहीं हुआ, जिससे माननीय न्यायालय द्वारा 22 जनवरी 2026 को पीओ घोषित किया था।

युवाओं तथा बाउंसरों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट

विवादों में आया गायक मासूम शर्मा का कार्यक्रम

स्टेज पर लोगों को बैठा देख भड़के मासूम शर्मा खफा होकर खुद भी गाना छोड़कर मंच से उतरे

रिश्तेदारों तथा मासूम के भाई ने माफी मांगी, तब हुआ मामला शांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा का कार्यक्रम एक बार फिर विवादों में आ गया है। हालांकि कार्यक्रम मासूम के रिश्तेदार का परिवारिक था। विवाद गांव मुआना के पूर्व सरपंच तथा कुछ अन्य के स्टेज पर बैठे होने को लेकर हुआ। पूर्व सरपंच के समर्थकों तथा बाउंसरों के बीच धक्का-मुक्की से लेकर मारपीट तक हुई। बाद में मासूम शर्मा के भाई तथा रिश्तेदारों द्वारा माफी मांगने पर मामला शांत हुआ।

सिंगर मासूम शर्मा की बहन कविता शर्मा मूलतः मुआना हाल सफीदों रोड निवासी धर्मवीर के साथ विवाहित हैं। दोनों की शादी की 25वीं वर्षगांठ पर एक होटल मे मासूम शर्मा का लाइव कार्यक्रम रखा गया था। कार्यक्रम में उनके रिश्तेदार, परिवार व गांव मुआना के कुछ करीबी लोग शामिल थे। जिसमें गांव के पूर्व सरपंच राजेंद्र शर्मा भी कुछ युवाओं को लेकर कार्यक्रम में आए हुए थे। मासूम शर्मा स्टेज पर आए तो स्टेज पर खड़े पूर्व सरपंच व समर्थकों पर भड़कते हुए नीचे उतरने को कह दिया। मासूम शर्मा ने यहां तक कह दिया कि मेरे गाने के प्रोग्राम के बीच में कोई सरपंच हो, कोई एमएलए हो, कोई मंत्री हो मैं किसी ने कुछ नहीं मानता। आप चाहे सरपंच हो मेरा कार्यक्रम नीचे बैठ कर देखो। नही देखना तो चलो जाओ। जिस पर सरपंच के साथ आए युवाओं को गुस्सा आ गया और माहौल गर्म हो गया। गाना शुरू किया तो बाउंसरों तथा युवाओं के बीच न केवल धक्का-मुक्की हुई बल्कि मारपीट भी हुई। जिसके चलते एक घंटे में कार्यक्रम का लपेटना पड़ा। हालातों को देखते हुए धर्मवीर के परिजनों तथा मासूम के भाई को आगे आना पड़ा और माफी मांग कर मामले को शांत करना पड़ा।

जींद। विरोध करते हुए सिंगर मासूम शर्मा। फोटो : हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम के दौरान आपस में उलझते हुए। फोटो : हरिभूमि

मामला परिवारिक होने के कारण सुलझा

गांव मुआना के पूर्व सरपंच राजेंद्र शर्मा ने बताया कि उन्हें कार्यक्रम में बुलाया गया था। मासूम शर्मा गाना गाने आया तो स्टेज खाली करने को कहा। वहां मौजूद युवाओं में गांव का पूर्व सरपंच होने की बात कही। जिस पर मासूम भड़क गया। युवाओं की बाउंसरों से कहासुनी हो गई और मारपीट हो गई। मामला परिवारिक होने के कारण शांत हो गया था।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

घर में बेटा-बेटी की परवरिश समान रूप से होनी चाहिए : एएनएम चंद्रकला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

गांव बिरथे बाहरी में रचना आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं को बेटियों के महत्व, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। सभी ने मिलकर अभियान को सफल बनाने की शपथ ली।

एएनएम चंद्रकला और एएनएम सीमा ने कहा कि समाज के विकास में बेटियों की अहम भूमिका है। उन्होंने बेटियों को समान अवसर देने, उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि घर में बेटा-बेटी की परवरिश समान रूप से होनी चाहिए, क्योंकि आज के युग में लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं हैं। शिक्षा के साथ-साथ दुर्गम स्थानों पर भी लड़कियां अपना लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि गर्भावस्था के दौरान लिंग जांच कर भ्रूण हत्या करना समाज के लिए घातक है। इससे लिंग अनुपात बिगड़ता है और समाज में असंतुलन बढ़ता है। इस दौरान एमपीएचडब्ल्यू रामनिवास ने क्षय रोग (टीबी) के बारे में जानकारी दी।

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए महिलाएं व आशा वर्कर। फोटो : हरिभूमि

भीड़ ने रैली को बना दिया महारैली : सुषमा

उचाना। भाजपा नेत्री सुषमा अत्री ने कहा कि उचाना विकास रैली में उमड़ा महिलाओं का जनसैलाब ने रैली को महारैली का रूप दे दिया। सीएम नायब सिंह सैनी की अगुवाई वाली भाजपा सरकार ने महिलाओं के हितों को सर्वोपरि रखा है। लाडो लक्ष्मी योजना को लागू किया तो निरंतर नई योजनाएं महिलाओं के हितों को लेकर बनाई जा रही है। ये रिकॉर्ड तोड़ रही विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की हलके में बढ़ी लोकप्रियता का प्रमाण भी है। रैली के माध्यम से सीएमसैनी ने स्पष्ट कर दिया है कि बुजुर्ग उनके पिता समान है किसी बुजुर्ग की पेंशन न तो काटी जाएगी न ही रोकी जाएगी।

पबनावा में विकास के मुद्दों पर चर्चा की

सरपंच पद के उम्मीदवार सुल्तान ने जनसंपर्क अभियान तेज किया

ढांड। ग्राम पंचायत पबनावा से सरपंच पद के उम्मीदवार सुल्तान सिंह आढ़ती ने गांव में जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। उन्होंने घर-घर जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और गांव के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

सुल्तान सिंह आढ़ती

सुल्तान सिंह आढ़ती ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य गांव में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना, साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर बनाना तथा युवाओं व किसानों की समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने बताया कि पेयजल, गलियों की मरम्मत, नालियों की सफाई और सामुदायिक स्थानों के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उन्होंने पारदर्शी व निष्पक्ष पंचायत व्यवस्था देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि पंचायत में हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और गांव के विकास कार्य बिना भेदभाव के कराए जाएंगे।

लड़कियों की वालीबॉल प्रतियोगिता में में जींद की टीम बनी चैंपियन

उचाना। उचाना खुर्द में आयोजित हुई दो दिवसीय जूनियर वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। लड़कों में चैंपियन जेसीडी अकादमी बनी। लड़कियों में प्रथम स्थान पर जींद की टीम रही। जानकारी देते हुए पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य सुरेश कुमार उचाना खुर्द ने बताया कि लड़कों के फाइनल में जेडीसी अकादमी की टीम ने शाह सतनाम की टीम को 3-2 से हराया। लड़कियों के फाइनल में जींद की टीम ने भिवानी की टीम को 3-2 से हराया। इस मौके पर सरपंच सतबीर, पूर्व सरपंच सत्ता, कोच मिया सिंह, जिला पार्षद प्रतिनिधि बलवान पूनिया, रघुवीर गुरूकुल खेड़ा, मा. मनवीर, मा. बलजीत सिंह, सूबे सिंह अटेली मौजूद रहे।

फिल्ड कानूनगो रमेश बने सदर कानूनगो

कलायत। तहसील कार्यालय में फिल्ड कानूनगो के पद पर कार्यरत रमेश कुमार को पदोन्नति मिली है। अब वे सदर कानूनगो के तौर पर सेवाएं देंगे। उनकी पदोन्नति को लेकर बुधवार को कार्यालय में खुशी का माहौल रहा। खुद तहसीलदार अजय कुमार ने प्रशासन की तरफ से सदर कानूनगो के पद पर प्रमोट हुए रमेश कुमार का उत्साह बढ़ाया। विभागीय प्रक्रिया अनुसार रमेश कुमार कैथल में सदर कानूनगो के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। रमेश अपनी कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और बेहतरीन व्यवहार के लिए जाने जाते हैं। कलायत में कार्यकाल के दौरान उन्होंने राजस्व संबंधी कार्यों को पारदर्शिता और तत्परता से निपटाया।

एसटी वर्ग के छात्रों की लंबित स्कॉलरशिप जारी करवाने की मांग

इनसो ने यूजीसी के चेयरमैन के नाम वीसी के ओएसडी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडियन नेशनल स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन ने गुरूवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के चेयरमैन के नाम ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी को सौंपा। ज्ञापन में विशेष रूप से एसटी वर्ग के विद्यार्थियों की लंबित स्कॉलरशिप जारी करवाने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने आए अध्यक्ष आतिश, अंकित सिहाग, अजय मलिक, रमन, शुभम, राहुल ने कहा कि कहा कि कई महीनों से छात्रवृत्ति जारी नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विश्वविद्यालयों में पढने वाले छात्र अपनी शिक्षा के लिए पूरी तरह से यूजीसी की स्कॉलरशिप पर निर्भर हैं।

जींद। विश्वविद्यालय में वीसी के ओएसडी को ज्ञापन सौंपते हुए छात्र।

प्रक्रिया तेज हो

उन्होंने मांग की कि यूजीसी द्वारा जारी की गई सभी स्कॉलरशिप की छात्रवृतियां छात्रों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर वितरित की जाएं। स्कॉलरशिप पोर्टल और वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को तेज करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए जाएं। स्कॉलरशिप से जुड़ी समस्याओं के निवारण के लिए हरियाणा के विश्वविद्यालय के परिसरमें एक विशेष हेल्प डेस्क स्थापित की जाए। इनसो नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही छात्रों की इन मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई।

खेल अनुशासन व समर्पण का प्रतीक

पूंडरी। सांसद नवीन जिंदल ने गत दिवस प्रीमियर लॉ बैडमिंटन लीग के उद्घाटन समारोह में शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। यह लीग जिंदल स्टील द्वारा आयोजित की गई, जिसमें देशभर से प्रतिभागियों ने भाग लिया। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि लीग का और अधिक ऊर्जा व प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ पुनः आरंभ होना अत्यंत हर्ष का विषय है। खेल केवल शारीरिक तंदुरुस्ती का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और दल भावना का प्रतीक भी है। उन्होंने बैडमिंटन खेल की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह खेल तीव्रता, फुर्ती और अद्भुत सहनशक्ति की मांग करता है। खिलाड़ियों को हर क्षण सजग रहना पड़ता है।

एचएसईबी वर्कर्स यूनियन ने मांगों को लेकर जताया रोष

राजौंद। एचएसईबी वर्कर्स यूनियन (हेड ऑफिस भिवानी) के आह्वान पर रोष स्वरूप गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। गेट मीटिंग की अध्यक्षता सब-यूनिट प्रधान अश्वनी ढांडा ने की तथा मंच का संचालन सब-यूनिट के सुखदेव शर्मा द्वारा किया गया। यह गेट राज्य प्रधान इकबाल चंदाना के आह्वान पर आयोजित की गई। मीटिंग का मुख्य उद्देश्य डीसी रेट पर कार्यरत कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर सरकार व प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना था। कर्मचारियों ने एचकेआरएन के विरोध में तथा डीसी रेट कर्मियों को समान काम के बदले समान वेतन लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई। इस दौरान कर्मचारियों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। गेट मीटिंग में यूनियन के कई पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रधान प्रवीन कुमार, विकाश कुमार, राकेश जेई, ललित जेई, जागदीश जेई सहित विभिन्न यूनिटों के कर्मचारी शामिल थे।

नगरपालिका में विकास में बाधा डाल रहे कुछ पार्षद: मैहला

पूंडरी । नगरपालिका बैठक को लेकर उठे विवाद के बीच भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष डॉ. बलविंद्र मैहला संगरौली ने विधायक सतपाल जांबा के समर्थन में बयान जारी करते हुए कहा कि विधायक का रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि नगरपालिका में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ पार्षदों को यह बात हजम नहीं हो रही, क्योंकि पारदर्शिता और जवाबदेही की नीति से उनके स्वार्थ प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधायक शुरू से ही विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के पक्षधर रहे हैं। यदि किसी कार्य में अनियमितता, देरी या वित्तीय गड़बड़ी की शिकायत मिलती है तो उसकी समीक्षा करना जनप्रतिनिधि का कर्तव्य होता है। इसे हस्तक्षेप बताना गलत और भ्रामक है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग व्यवस्था में सुधार नहीं चाहते, वही आज अनावश्यक बयानबाजी कर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विधायक पूंडरी शहर सहित पूरे पूंडरी हलके में बिना भ्रष्टाचार के विकास कार्य करवाना चाहते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन समारोह संपन्न

जुलाना। जुलाना कस्बे के शहीद मेजर संजीव लाठर राजकीय कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन समारोह संपन्न हुआ।समापन दिवस की शुरुआत प्रातः योग सत्र से हुई। जिसमें स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. शमशेर सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में डॉ सतपाल कौशिक ने शिरकत की। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा. निशु गुप्ता ने कहा कि सात दिवसीय शिविर ने स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व में अनुशासन, सेवा भावनाए नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. शमशेर सिंह ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है और एनएसएस जैसे मंच विद्यार्थियों को सामाजिक चेतना एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ते हैं। मुख्य अतिथि डा. सतपाल कौशिक ने युवाओं को समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में छात्राओं ने हरियाणवी गीतों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

राजौंद में नगर पालिका के बाहर चल रहा धरना समाप्त

राजौंद। नगरपालिका कार्यालय के सामने पिछले 147 दिन से चल रहा धरना समाप्त हो गया। जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने मामले की जांच स्टेट विजिलेंस की एसआईटी को सौंपने के आश्वासन के बाद। मंत्री के इस आदेश के बाद संघर्ष समिति ने धरना समाप्त कर दिया। 22 सितंबर से नगरपालिका गेट पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया था। इस आंदोलन का नेतृत्व संघर्ष समिति के प्रधान राकेश राणा और वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि मंजीत राणा ने किया। मंत्री के आश्वासन के बाद धरना स्थल पर संघर्ष समिति की बैठक बुलाई जिसमें सर्वसम्मति से धरने को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान पार्षद विकास राणा,अनुराग, राजेंद्र राणा, अशोक राणा, कुलदीप फौजी, रविंद्र राणा, नीटू राणा, नरेंद्र चावला, सुभाष रंगा, जोनी राणा, काला राणा, भाषी सहित अनेक युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संघर्ष समिति के प्रधान राकेश राणा ने कहा कि धरना समाप्त हो गया है, लेकिन नगर के अधिकारों और पारदर्शी विकास के लिए संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

गतिविधि हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने जारी किए निर्देश

21 को स्कूलों में मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

- प्रार्थना सभा में मातृभाषा के महत्व पर चर्चा की जाएगी
- विद्यार्थियों के शैक्षणिक परीक्षा परिणाम में सुधार करना उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

स्कूलों में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने प्रदेश के डीईओए डीईओ, डीपीसी, खंड मौलिक शिक्षा अधिकारी, एफएलएन जिला समन्वयक व स्कूल प्रभारी के नाम पत्र जारी किया है। जारी पत्र के अनुसार सुबह प्रार्थना सभा में मातृभाषा के महत्व पर चर्चा की जाएगी। इसमें अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक परीक्षा परिणाम में सुधार करना है। परिषद ने जारी पत्र में कहा कि आपको अवगत कराया जाता है कि जैसे कि पिछले वर्ष 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस धूमधाम से विभिन्न गतिविधियों और माता-पिता की सहभागिता के साथ मनाया गया था। इस वर्ष भी इसे और उत्साह और उल्लास के साथ ही विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मनाया जाना है। इस दिन को मनाए जाने का उद्देश्य भाषा विविधता और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना है। साथ ही अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के महत्व को उजागर करना है। इससे शैक्षिक परिणामों में सुधार हो सके। ऐसे में विद्यालय में सुबह के समय प्रार्थना सभा के दौरान अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्व पर चर्चा की जाएगी। साथ ही अभिभावकों, दादा-दादी, समुदाय के सदस्यों और एसएमसी के सदस्यों को भी इन गतिविधियों में शामिल कराया जाए।

शिक्षकों की लगाई जिम्मेदारी

एफएलएन समन्वयक को अधिकारियों और मेंटर्स के साथ एक योजना बैठक आयोजित करनी होगी ताकि गतिविधियों को स्पष्ट किया जा सके। इसके बादए मेंटर्स को कार्यक्रम से पहले अपने-अपने क्लस्टर के शिक्षकों को के साथ चर्चा करनी होगी। सभी शिक्षक और विद्यालय प्रमुख स्कूल प्रबंधन समितियों को पूर्व में सूचित करें और उन्हें अभिभावकों को आमंत्रित करने में सक्रिय रूप से शामिल करें ताकि मजबूत अभिभावक भागीदारी सुनिश्चित हो सके और कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित हो सके। सभी जिला और ब्लाक स्तरीय अधिकारी निगरानी और मार्गदर्शन के लिए कम से कम एक विद्यालय का दौरा करेंगे।

21 को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

एफएलएन जिला समन्वयक राजेश वशिष्ठ ने बताया कि 21 फरवरी को स्कूलों में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से पत्र जारी किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना है। कार्यक्रम को लेकर अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

पदाधिकारियों ने छात्रों को बधाई दी

आस्था ने यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर बढ़ाया कॉलेज का मान

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज, कैथल राजनीति विज्ञान विभाग के पांच पूर्व विद्यार्थियों तथा महाविद्यालय के सायंकालीन सत्र की एम.कॉम की एक छात्रा ने प्रतिष्ठित यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इन विद्यार्थियों की सफलता ने न केवल संबंधित विभागों का, बल्कि संपूर्ण महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

आस्था शर्मा

सुकन्या ने उच्च वरीयता प्राप्त करते हुए जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी अर्जित की, जो उनकी कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। इसके अतिरिक्त ऋतु, कोमित, गौरव, इकबाल तथा सायंकालीन सत्र की आस्था शर्मा ने भी यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा एवं प्रतिबद्धता का परिचय दिया। प्रधान प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अश्विनी शोरेवाला ने कहा कि महाविद्यालय सदैव से शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन की समृद्ध परंपरा का प्रतीक रहा है। श्याम बंसल, पंकज बंसल, अशोक मंगल, तथा सुनील चौधरी, गवर्निंग बॉडी के कोषाध्यक्ष ने भी इन विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी।